विषय : कथक नृत्य

सत्र 2012 – 13 – ओरिएन्टल

बी.ए. प्रथम (सेमेस्टर प्रथम)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

सैध्दान्तिक – प्रश्नपत्र प्रथम

इकाई 1.
- कथक नृत्य का परिचय
- कथक नृत्य के उद्भव व विकास का प्रारंभिक ज्ञान

इकाई 2.
- नृत्य में गायन व वादन का महत्व
- नाट्य, नृत्त व नृत्य का परिचयात्मक ज्ञान

इकाई 3.
- वाद्य यंत्रों की संक्षिप्त जानकारी
- कथक नृत्य में प्रयुक्त होने वाले पारम्परिक वाद्य यंत्रों का परिचय

इकाई 4.
निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान
सम, मात्रा, लय, आवर्तन, विभाग, ताली–खाली
- अभिनव दर्पण के अनुसार 28 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का ज्ञान

इकाई 5.
जीवनी तथा योगदान
- बिंदादीन महाराज
- जयलाल महाराज
- पं. दुर्गालाल

Vijaya Sharma

S. Khan 05/3/13

S. Khanwalkar.

S. Khanwalkar

सत्र 2012 – 13 – अधिकरण

बी.ए. प्रथम (सेमेस्टर प्रथम)

पूर्णांक – 50
न्यूनांक – 17

प्रायोगिक
ताल नर्तन एवं अभिनय

ताल नर्तन

- ताल त्रिताल में नर्तन
- तत्कार, थाह, दुगुन, चौगुन लय में
- नमस्कार
- थाट
- आमद
- टुकडे – 02
- तोडे – सादे – 04
- चक्रदार तोड़े – 02
- तिहाईया – 02

ताल परिचय – दादरा, कहरवाँ

अभिनय – श्लोक, गतनिकास, सीधीगत, मुरली एवं मटकी ग्रीवा भेद एवं प्रथम 14 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन

Vijaya Sharma

S. Khanwalkar.

05/3/13

S. Khanwalkar

सत्र 2012 – 13 – ओविरस

बी.ए. प्रथम (सेमेस्टर द्वितीय)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

सैध्दान्तिक प्रशनपत्र प्रथम

इकाई 1.
- कथक नृत्य का प्रदर्शन क्रम
- अभिनय की परिभाषा व भेद

इकाई 2.
- नर्तक, नर्तकी व नृत्याचार्य के गुण दोष
- घुंघरू की जानकारी

इकाई 3.
- भातखण्डे ताल लिपि प्रणाली का परिचय
- निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान –

थाट, आमद, परन, कवित्त, तोडा, टुकडा, चक्रदार, दमदार, बेदमदार, गतनिकास

इकाई 4.
अभिनय दर्पण के अनुसार
ग्रीवा भेद
शिरो भेद

इकाई 5.
- ताल त्रिताल में बोलों को लिपिबद्ध करना
- निम्नलिखित तालों में ठेके की ठाह व दुगुन –

दादरा
कहरवा
झपताल

Vijaya Sharma
S. Khanwalkar 05/3/13
S. Khanwalkar

सत्र 2012 – 13 - अतिरिक्त

बी.ए. प्रथम – कथक नृत्य (सेमेस्टर द्वितीय)

पूर्णांक – 50
न्यूनांक – 17

प्रायोगिक
ताल नर्तन एवं अभिनय

ताल नर्तन –

ताल त्रिताल में निम्नलिखित को करने की क्षमता–

- परन – सादी – 02

चक्रदार – 02

- तत्कार के पल्टे

ताल झपताल – परिचय

- ततकार थाह व दुगुन लय में
- सादे तोड़े – 03
- तिहाई – 01

अभिनय – गतभाव (कोई एक)
शिरोभेंद का प्रायोगिक प्रदर्शन
असंयुक्त हस्त मुद्राओं का श्लोक सहित (अभिनय दर्पण में वर्णित) प्रायोगिक प्रदर्शन।

Vijaya Sharma

S. Khanwalkar

S. Nan 05/3/13

S. Nan

S. Khanwalkar

विषय : कथक नृत्य

सत्र 2012 – 13 - अविकल

बी.ए. द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम

इकाई 1.

भारतीय नृत्य कला के विकास का संक्षिप्त इतिहास निम्नलिखित कालों में–
1. वैदिक काल 2. रामायण व महाभारत काल, 3. जैन एवं बोद्ध धर्म काल 4. पूर्व मध्यकाल

इकाई 2.

- कथक नृत्य शैली का विस्तृत परिचय
- नवाब वाजिद अली शाह का कथक नृत्य के विकास में योगदान

इकाई 3.

रस–रस का स्वरूप, नवरसो का उदाहरण सहित परिचय
मूल रस, रसो का क्रम, रस के वर्ण व देवता

इकाई 4.

निबंध लेखन–

1. गुरु शिष्य परंपरा
2. नृत्य के शारीरिक व मानसिक लाभ
3. नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध
4. शास्त्रीय एवं लोक नृत्य

इकाई 5.

जीवनियां–

• पं. कार्तिक रामजी • रोहिणी भाटे • सितारा देवी

ताल लिपी–

झपताल व तीनताल का ठेका एकगुन, दुगुन, तिगुन व चौगुन में एवं बोलो को लिपिबद्ध करना।

Vijaya Sharma

S. Khanwalkar 05/3/13 S. Khanwalkar S. Khanwalkar

सत्र 2013 – 14 ~ अविरल

बी.ए. द्वितीय वर्ष – नृत्य (कथक)

प्रायोगिक प्रश्नपत्र (तृतीय सेमेस्टर)

पूर्णांक – 50
न्यूनांक – 17

ताल नर्तन

ताल झपताल –

नमस्कार, थाट, आमद, सादे तोडे, चक्रदार तोडे, परन, चक्रदार परन, तिहाईयां

ताल त्रिताल –

द्रुतलय में ततकार की तैयारी एवं पलटे, ताल त्रिताल के तिगुन।

पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

अभिनय

1. स्तुति	–	कोई दो
2. गतनिकास	–	कोई तीन
3. भजन	–	एक

S. Khanwal Vijaya Sharma S. Nar 05/3/13 S. Nar S. Khanwal

सत्र 2012 – 13 - अप्रैल 2013

बी.ए. द्वितीय वर्ष (नृत्य) (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85

न्यूनांक – 28

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम

इकाई 1.

- कथक नृत्य के निम्न घरानों का सामान्य परिचय एवं उनकी विशेषताएं–

1. लखनऊ घराना 2. जयपुर घराना 3. बनारस घराना 4. रायगढ़ घराना

- महाराज चक्रधर सिंह का जीवन परिचय एवं कथक नृत्य के विकास में उनका योगदान।

इकाई 2.

- संगीत रत्नाकर का सामान्य परिचय, अभिनय दर्पण का सामान्य परिचय।
- अभिनय दर्पण के अनुसार 8 दृष्टि भेद एवं 7 भृकुटी भेद।

इकाई 3.

- भाव– भाव का अर्थ, भाव के भेद, स्थाई भाव, अनुभाव, विभाव, संचारी भाव एवं सात्वीक भाव।
- नायिका– नायिका का अर्थ, लक्षण, भेद–आयु, धर्म, जाति, प्रकृति एवं अष्ट नायिका।

इकाई 4.

- ताल शब्दावली– जरब, क्रमलय, उठान, कमाली, फरमाईशी, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली, बांट, पलटा, गत, जाति परन, पक्षी परन, दमदार, बेदमदार।
- हिन्दुस्तानी व कर्नाटक संगीत पद्धति की विशेषताएं।

इकाई 5.

- ताल परिचय– ताल एकताल व रुपक के ठेके को लिपिबद्ध करना, ताल एकताल के बोलो को लिपिबद्ध करना।

Vijaya Sharma

S. Khanwah.

S. Nar 25/3/13

S. Nar

S. Khanwah

सत्र 2013 – 14 – अविरल

बी.ए. द्वितीय वर्ष – नृत्य (कथक)

प्रायोगिक प्रश्नपत्र (चतुर्थ सेमेस्टर)

पूर्णांक – 50
न्यूनांक – 17

ताल नर्तन

ताल त्रिताल –
सम्पूर्ण नर्तन
ताल एकताल –
ततकार, सादे तोडे, व तिहाईयां
निम्न तालों के ठेको की जानकारी एवं ततकार का ज्ञान –
रूपक एवं धमार

अभिनय

1. गतभाव – कोई दो
2. कवित्त – कोई चार – झपताल, एकताल व तीनताल में।
3. दृष्टि भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।

Vijaya Sharma
S. Khanwalkar
S. Naur 05/3/13
S. Naur
S. Khanwalkar

सत्र 2013 – 14 से लागू – अनिवार्य

बी.ए. तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

सैद्धान्तिक

इकाई 1.

- नटन भेद– नाट्य, नृत्त व नृत्य का विशेष अध्ययन।
- भारत वर्णित नाट्यशालाए

नाट्यशास्त्र के अनुसार– करण, अंगहार व रेचक का सामान्य परिचय।

- विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचय– 1. ओडिसी 2. कुचिपुड़ी 3. भरतनाट्यम।

इकाई 2.

- विभिन्न सिद्धांतवादियों के अनुसार रस सिद्धांत यथा भट्ट लोल्लट, श्री शंकुक, भट्ट नायक, अभिनव गुप्त।
- नृत्य के लिए उपर्युक्त मंच सज्जा, वेशभूषा, ध्वनि व प्रकाश व्यवस्था, पृष्ठ संगीत।

इकाई 3.

- अभिनय दर्पण के अनुसार– 23 असंयुक्त हस्त, बांधव हस्त, देव हस्त।
- आधुनिक नृत्य।
- पाश्चात्य नृत्यकला– बॉलरुम डांस।

इकाई 4.

- रासलीला का सामान्य परिचय, रासलीला व कथक नृत्य, नौटंकी, यक्षगान, रामलीला।।

इकाई 5.

- निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबद्ध करना–

त्रिताल, झपताल, एकताल व रुपक।

Vijay Sharma S. Khanwalk. S. Kaur 05/3/13 S. Kaur S. Khanwalk

सत्र 2013 - 14 ऑनर्स

बी.ए. तृतीय

प्रायोगिक प्रश्नपत्र प्रथम (पंचम सेमेस्टर)

पूर्णांक - 50
न्यूनांक - 17

ताल नर्तन

इकाई 1. ताल एकताल – सम्पूर्ण नर्तन – नमस्कार, थाट, आमद तथा सादे व चक्रदार तोड़े, परन एवं कवित्त।

इकाई 2. ताल रुपक – तत्कार, 2 सादे तोड़े, 1 चक्रदार तोड़ा, 1 परन, 1 तिहाई।

अभिनय नर्तन

इकाई 1. भजन।

इकाई 2. गतभाव – होली या गोवर्धन लीला।

इकाई 3. गतनिकास – घूँघट के प्रकार, रुखसार, झूमर।

Vijaya Sharma
S. Khanwalk
S. Nair 05/3/13
S. Nair S. Khanwalk

सत्र 2013 – 14 से लागू अविरल

बी.ए. तृतीय वर्ष (षष्टम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 85

न्यूनांक – 28

सैद्धान्तिक

इकाई 1.

- कथक का नृत्तांग – ततकार, हस्तक, भ्रमरी, तालप्रबंध।
- पाद भेद – चारी भेद व मण्डल भेदःएवं स्थानक।

इकाई 2.

- विभिन्न लोकनृत्य शैलियों का परिचय– गरबा, घूमर, भांगड़ा।
- कथकली, मणिपुरी, मोहिनी अट्टम का परिचयात्मक ज्ञान।
- बैले एवं ओपेरा।

इकाई 3.

- नृत्य संबंधी विभिन्न ग्रंथों का परिचय– अभिनय दर्पण, संगीत रत्नाकर, दशरुपक।
- नाट्य शास्त्र की विषयवस्तु– नाट्य शास्त्र के समस्त अध्यायों की विषयवस्तु का संक्षिप्त विवरण।

इकाई 4.

- अवतार हस्त, नवग्रह हस्त।
- जीवनियां – 1. डॉ. पुरु दाधिच, 2. श्रीमती कुमुदिनी लाखियां, 3. पं. बिरजु महाराज।

इकाई 5.

- निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी–

1. म.प्र. की नृत्य परंपरा, 2. म.प्र. के लोकनृत्यों का सामान्य परिचय, 3. नृत्य व साहित्य।

- निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबद्ध करना–

ताल धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल।

पंचम सवारी के ठेके की एकगुन, दुगुन व चौगुन।

Vijaya Sharma

S. Khanwalk.

S. Nair
05/3/13

Dhoy

S. Nair

S. Khanwalk

सत्र 2013 – 14
बी.ए. तृतीय
प्रायोगिक प्रश्नपत्र प्रथम (षष्टम सेमेस्टर)

पूर्णांक – 50
न्यूनांक – 17

ताल नर्तन

इकाई 1. ताल धमार में सम्पूर्ण नर्तन – नमस्कार, थाट, आमद, सादे तोड़े व परन, चक्रदार तोड़े व परन, तिहाईयां एवं कवित्त।

इकाई 2. ताल त्रिताल में विशेष तैयारी।

इकाई 3. द्रुत लय में पैरों की तैयारी।

अभिनय

इकाई 1. ठुमरी।

इकाई 2. अष्ट नायिकाओं में से किसी एक नायिका का पद कवित्त, गीत या गतभाव के माध्यम से क्रियात्मक प्रदर्शन।

इकाई 3. संयुक्त हस्त एवं भ्रंकुटी भेदों का क्रियात्मक प्रदर्शन अभिनय दर्पण के अनुसार। (श्लोक सहित)

Vijaya Sharma

S. Khanwalkar

S. Kaur
05/3/13

S. Kaur

S. Khanwalkar